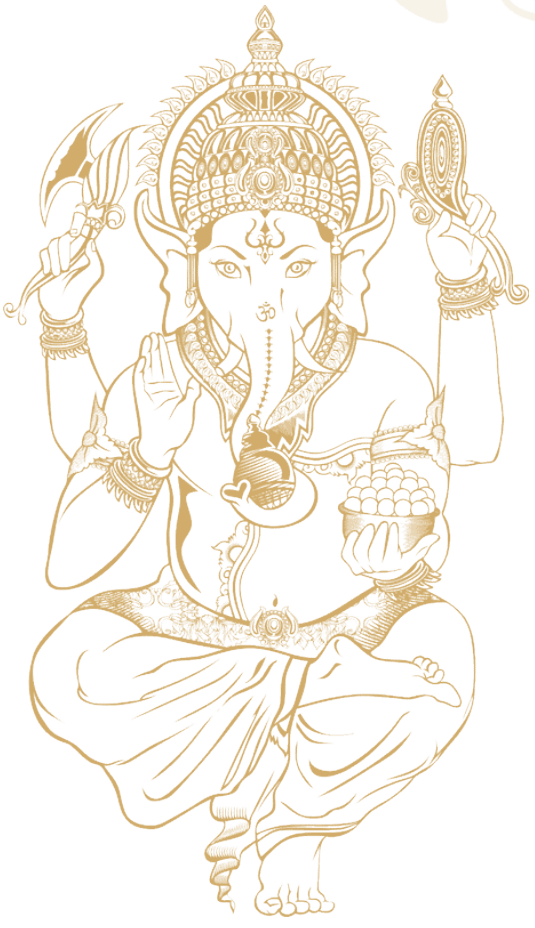

Omparkash

Manju

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121013902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/09/2000	जन्म तिथि	16/08/2004
शुक्रवार	दिन	सोमवार
घंटे 22:30:00	जन्म समय	23:37:00 घंटे
घटी 40:35:14	जन्म समय(घटी)	43:51:06 घटी
India	देश	India
Sri Dungargarh	स्थान	Chatpalgarh
28:05:00 उत्तर	अक्षांश	25:44:00 उत्तर
74:00:00 पूर्व	रेखांश	81:52:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:00	स्थानिक संस्कार	-00:02:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:15:54	सूर्योदय	05:36:04
18:46:47	सूर्यास्त	18:36:56
23:51:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:09

विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 10मा 8दि

राहु	18/07/2025
	19/07/2043
राहु	30/03/2028
गुरु	24/08/2030
शनि	30/06/2033
बुध	17/01/2036
केतु	04/02/2037
शुक्र	05/02/2040
सूर्य	29/12/2040
चन्द्र	30/06/2042
मंगल	19/07/2043

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृष	07:38:52
सूर्य	सिंह	00:16:23
चंद्र	सिंह	08:20:00
मंगल	सिंह	10:05:35
बुध व	सिंह	12:48:29
गुरु	सिंह	27:43:50
शुक्र	मिथु	14:33:09
शनि	मिथु	27:48:43
राहु व	मेष	10:45:44
केतु व	तुला	10:45:44
हर्ष व	कुंभ	11:19:55
नेप व	मक	19:47:14
प्लूटो व	वृश्चि	25:40:34

राशि	अंश
वृष	06:43:12
सिंह	22:28:23
धनु	25:25:45
सिंह	00:53:13
कन्या	07:24:43
वृष	16:39:33
कन्या	16:38:09
वृष	07:06:12
मिथु	29:34:01
धनु	29:34:01
मक व	23:54:35
मक व	10:17:01
वृश्चि	16:23:14

विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 7मा 15दि

शुक्र	02/04/2007
	02/04/2027
शुक्र	02/08/2010
सूर्य	02/08/2011
चन्द्र	02/04/2013
मंगल	02/06/2014
राहु	02/06/2017
गुरु	01/02/2020
शनि	02/04/2023
बुध	31/01/2026
केतु	02/04/2027

लग्न-चलित

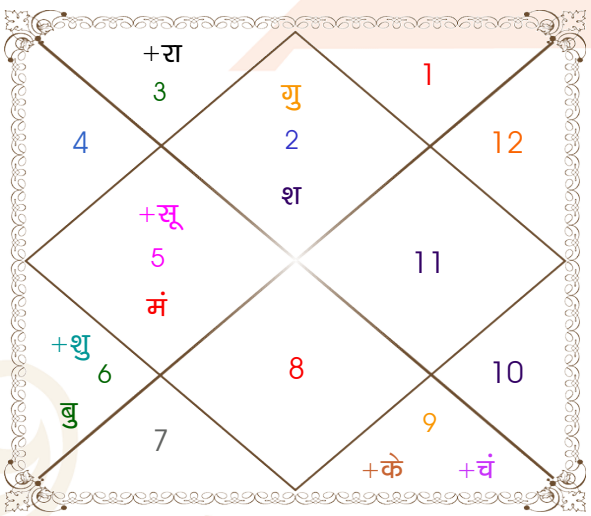

लग्न-चलित

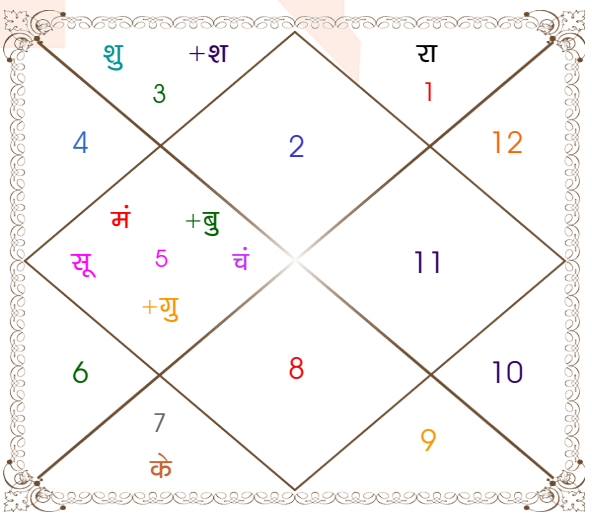

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	धनु	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

व्उचंतीी का वर्ग श्वान है तथा डंदरन का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार व्उचंतीी और डंदरन का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

व्उचंतीी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

डंदरन मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डंदरन कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

व्उचंतीी तथा डंदरन में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।